Today's Poem – 28.07.2014

इस शरीर को न देख आत्मा को देखना

अपने को आत्मा समझ आत्मा से बात करना

इसी अवस्था को जमाना

और ऊँची मंज़िल है पाना

ज्ञान सागर से ज्ञान सुन-सुन कर जब फुल हो जायेंगे

तब हम शान्तिधाम में चले जायेंगे

याद की मेहनत और ज्ञान की धारणा से कर्मातीत अवस्था को पाना

ज्ञान सागर की सम्पूर्ण नॉलेज स्वयं में धारण करना

सम्पूर्ण वाइसलेस बनना

हम आत्मा भाई-भाई हैं यह अभ्यास करना

ब्राह्मण जीवन का सबसे बड़े से बड़ा खजाना

सन्तुष्ट रहना

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!